दरगाह थाना सर्किल के सीओ का रीडर रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार

एसीबी ने रीडर के साथ उसके दो दलालों को भी घूस मामले में गिरफ्तार किया है

अजमेर, (कासं)।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर ने दरगाह थाना सर्किल के सीओ पार्थ शर्मा के रीडर को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घूस की नकदी बरामद की है। एसीबी ने रीडर के साथ उसके दो दलालों को भी घूस मामले में गिरफ्तार कर लिया है। गंज थाने में दर्ज गैंगरेप और युवती के भगा ले जाने के मामले में एफआर लगाने के एवज में आरोपी पक्ष से दो लाख चालीस हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। रिश्वतकांड में शर्मा की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर निवासी विनोद कुमार वर्ष 2001 में इनके साले और ससुराल पक्ष के खिलाफ गंज थाने में गैंगरेप और युवती को भगा ले जाने के आरोप में मामला दर्ज हुआ था। इस मामले की जांच डिप्टी पार्थ शर्मा कर रहे हैं। शर्मा ने इस केस की तफ्तीश की। जिम्मेदारी अपने रीडर हवलदार भागचंद रावत को सौंप दी। भागचंद के हाथों में केस की फाइल आते ही दलाल भी सक्रिय हो गए। भागचंद रावत ने गैंगरेप के इस मामले में एफआर लगाने के लिए विनोद कुमार से तीन लाख रुपए की मांग की, लेकिन सौदा दो लाख चालीस हजार में तय हो गया।

अजमेर एसीबी के गिरफ्त में रिश्वत के आरोपी।

विनोद कुमार इतनी बड़ी रकम भागचंद और उससे जुडे दलालों को नहीं दे सकता था। इस वजह से उसने एसीबी दफ्तर में लिखित शिकायत देकर कार्यवाही की मांग की। एसीबी ने मामले का सत्यापन कराने के बाद केमिकल लगे नोट देकर विनोद को भागचंद के पास भेज दिया। भागचंद ने छह फरवरी को केस से जुड़े आरोपियों को गंज थाने बुलाकर पूछताछ की और उनके बयान दर्ज किए। इधर एसीबी की टीम गंज थाने को चारों ओर से घेर चुकी थी। रात करीब दस बजे हवलदार भागचंद रिश्वत के साठ हजार रुपये विनोद से लेकर गंज थाने के पिछले दरवाजे से रफू चक्कर हो गया।

- **गैंगरेप के एक मामले में एफआर लगाने की एवज में मांगी थी ढाई लाख की घूस**

एसीबी हवलदार भागचंद का पीछा करते करते माखुपुरा स्थित उसके ठिकाने पर पहुंच गई और भागंचद को रिश्वत के आरोप में धर लिया। एसीबी को देखते ही भागचंद ने रिश्वत में लिए गए साठ हजार रूपए टॉयलेट में फेंक दिए। इस घूसकांड मामले में एडवोकेट मनीष और कुशाल सिंह राव की भूमिका दलाल के रूप में सामने आई है। विनोद की माने तो इस काम के लिए मनीष और उसका साथी कुशाल सिंह राव पिछले कई दिनों से उस पर पैसे देने का दबाव बना रहे थे। विनोद का कहना है कि रिश्वत की पहली किस्त पांच हजार रूपए दरगाह थाना परिसर में दलालों को सौंपी गई।

मालपुरा ब्लॉक के गुम हुए 547 आरटीपीसीआर सैम्पल प्रकरण में नहीं हुई कोई कार्रवाई

मालपुरा बीसीएमओ नहीं दे रहे 6 जनवरी को भेजे गये आरटीपीसीआर की ऑनलाइन सूची

मालपुरा, (निसं)। एक जनवरी से पांच जनवरी तक मालपुरा सीएचसी व पीएचसी सेन्टरों पर लिये गये 547 आरटीपीसीआर सैम्पलों को जांच के लिए मालपुरा बीसीएमओ कार्यालय द्वारा टोंक जिला मुख्यालय लैब के लिए 6 जनवरी को भेजे जाने के बाद 1 महीना बीत जाने के बावजूद टोंक लैब से गायब हुए 547 आरटीपीसीआर का आज तक कोई सुराग नहीं लग पाया।

जिला कलेक्टर व सीएमएचओ सहित स्वास्थ्य निदेशालय द्वारा लापरवाह अधिकारी व कर्मचारियों पर कार्यवाही के बजाय मामले को दबाने का मामला सामने आया। सोमवार को जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल से उक्त प्रकरण को लेकर अब तक जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही की जानकारी चाही गई तो जिला कलेक्टर ने मामले की जांच सीएमएचओ द्वारा किये जाने की जानकारी देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। मीडियाकर्मियों द्वारा जिला चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार यादव से उक्त मामले को लेकर जानकारी मांगी गई तो उन्होंने अवगत करवाया कि प्रकरण में टोंक जांच लैब प्रभारी डॉ. शिल्पी बैनर्जी व मालपुरा सीएचसी प्रभारी डॉ. विद्या मघनानी को नोटिस जारी कर तीन दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया था लेकिन आज तक कोई जवाब नहीं दिया गया है।

- **जिला कलेक्टर के निर्देशों व सीएमएचओ के आदेशों की उड़ी धज्जियां**

यहां तक कि बीसीएमओ डॉ. संजीव चौधरी से 6 जनवरी को भेजे गये आरटीपीसीआर की ऑनलाईन की सूची मांगी गई थी लेकिन उनके द्वारा उपलब्ध नहीं करवाई गई। साथ ही बीसीएमओ ने बताया कि पूर्व में गुम हुए 547 आरटीपीसीआर में से 512 जनों के आरटीपीसीआर दोबारा टोंक लैब में भेजे जाने की सूचना भेजी गई है। दोनों सूचियों का मिलान के बाद ही दोबारा भेजे गये सैम्पलों की जमीनी हकीकत सामने आयेगी।

जबकि उक्त मामले में मालपुरा अस्पताल व बीसीएमओ कार्यालय सहित कलेक्शन सेन्टर व ब्लॉक में कार्यरत सीएचए एवं पीएचसी सेन्टरों के सूत्रों से मिली जानकारी में सामने आया कि टोंक लैब से गायब हुए 547 आरटीपीसीआर दोबारा लेना नामुमकिन है। अपवाद स्वरूप मालपुरा सीएचसी सेन्टर पर लगभग दो दर्जन लोगों ने अखबार में खबरें प्रकाशित होने के बाद स्वयं उपस्थित हो आरटीपीसीआर दिये गये हैं। जिनमें से भी 22 जने संक्रमित होने की सूत्रों से जानकारी मिली है।

कोरोना महामारी की तीसरी लहर में इतनी बड़ी संख्या में आरटीपीसीआर लैब से गायब हो जाने के बावजूद स्वास्थ्य निदेशालय, चिकित्सा मंत्री व राज्य सरकार चुप्पी साधे लापरवाह अधिकारी, कर्मचारियों पर कार्यवाही से कतरा रहे हैं तो जिला प्रशासन महज जांच चल रही है का जवाब दे आंकडों में हेराफेरी कर मीडिया को मनघडंत आंकडे बता टोंक लैब प्रभारी, लैब टैक्नीशियन, मालपुरा सीएचसी प्रभारी, बीसीएमओ तथा सैम्पल किट लेकर रिकॉर्ड में रवाना हुए कर्मचारी एवं बीसीएमओ कार्यालय के वाहन चालक को बचाने के प्रयास में जुटे हुए हैं।

डिग्गी नायब तहसीलदार द्वारा बीसीएमओ, कार चालक, कलेक्शन सेन्टर प्रभारी के बयान लेने तथा टोंक लेब में मालपुरा से भेजे सैम्पल पहुंचने के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बावजूद ठोस कार्यवाही नहीं होना आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ तो कोविड गाईडलाईन की खुली अवहेलना को दर्शाता है।

20 हजार की रिश्वत लेते चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग का सहायक अभियन्ता और संविदा कार्मिक गिरफ्तार

भीनमाल, (निसं)। जालोर मुख्यालय स्थित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता सुनील माथुर को एसीबी की टीम ने सोमवार शाम को भीनमाल में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस मामले में विभाग के अकाउंटेंट कुन्दन सुथार व संविदा कार्मिक प्रकाश गहलोत भी आरोपी है जिनमें से संविदा कार्मिक प्रकाश को दस्तयाब कर लिया गया है वहीं अकाउंटेंट कुंदन सुथार अभी फरार है।

जानकारी अनुसार राजुसिंह राजपूत निवासी भीनमाल ने जोधपुर एसीबी की टीम को शिकायत देकर अवगत करवाया कि उसके द्वारा वर्ष 2015 में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जिला जालोर के वर्क ऑर्डर ईई/एमएच/जालोर/35/2014-15 के तहत ग्राम पाथेडी जिला जालोर में आवासीय क्वार्टर पीएचसी भवन क्षेत्र में बनाये थे। जिसका अंतिम बिल पेश करके कार्य की एनओसी प्राप्त कर ली गई थी। उक्त कार्य का टेन्डर करीब 85 लाख रुपये था जिसमें से करीब 65 लाख का कार्य करवाया गया था।

जालोर मुख्यालय पर स्थित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता सुनील माथुर को एसीबी की टीम ने भीनमाल में रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

उसके बाद वर्ष 2017 में कार्य पूर्ण करवाया जाकर लागत राशि के बिल पास करवाये गये उक्त टेन्डर के कार्य राशि का 10 प्रतिशत सिक्यूरिटी डिपोजिट (एसडी) करीब 6.50 लाख रूपये विभाग में जमा थे।

परिवादी राजुसिंह की एसडी राशि रिलीज करने के बदले में सुनील माथुर सहायक अभियन्ता को भीनमाल में आज परिवादी राजूसिंह से 15000 रूपये स्वयं के व 5000 रूपये अकाउंटेंट कुन्दन सुथार स्वास्थ्य विभाग जालोर के लिये लेते हुए जालोर भीनमाल मुख्य मार्ग पर स्थित होटल कार्प के सामने रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त कार्यवाही की भनक लगने से अकाउंटेंट कुन्दन सुथार मौके से फरार हो गया है। जिसके दस्तायाब की कार्यवाही जारी है तथा संविदाकर्मी कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रकाश को दस्तायाब करवाया गया है। जिससे पूछताछ कर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

- **कार्यवाही की भनक लगते ही अकाउंटेंट कुन्दन सुथार मौके से फरार**

ट्रेप कार्यवाही उप अधीक्षक पुलिस कार्यालय में अग्रिम जारी है। कार्रवाई के दौरान कैलाशचन्द्र बिश्नोई उप महानिरीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का सुपरविजन रहा जबकि ट्रेपकर्ता अधिकारी डॉ. दुर्गासिंह राजपुरोहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एस.यू. जोधपुर रहे। टीम में मेघराज हैड कांस्टेबल, मेघसिंह वरिष्ठ सहायक, कांस्टेबल भंवरलाल, रामचन्द्रसिंह, प्रकाश, गणेश, वाहन चालक खम्माराम बिश्नोई स्पेशल यूनिट जोधपुर एवं दो स्वतन्त्र गवाहान एवं ओमप्रकाश कम्प्युटर तकनीकी सहायक शामिल रहे।

जांच का दायरा घटा तो भीलवाड़ा में घटी संक्रमण की रफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। कोरोना महामारी की तीसरी लहर के चलते जिले में कोरोना संक्रमण को लेकर चिकित्सा विभाग की ओर से की जा रही जांच का दायरा घटने से मरीजों की संख्या में भी कमी आई है। सोमवार को 745 लोगों की जांच में 105 पॉजिटिव केस सामने आये हैं। सबसे ज्यादा मरीज बापूनगर, गंगापुर व रायपुर में मिले है।

आरआरटी टीम प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि शहर के बापूनगर और गंगापुर में 18, रायपुर 17, आसींद व शास्त्रीनगर 11-11, बनेड़ा 2, चपरासी कॉलोनी 3, चन्द्रशेखर आजादनगर व काशीपुरी 1-1, मांडलगढ़ 9, पुर व सांगानेर 4-4, सुवाणा में 1 पॉजिटिव मिला है।

मेघना चौधरी ने बोर्ड सचिव का पद भार ग्रहण किया

अजमेर, (कासं)। राज्य सेवा की वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मेघना चौधरी को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का सचिव का पद भार ग्रहण कर लिया है। चौधरी ने पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया को दिए पहले बयान में कहा कि बोर्ड की परीक्षा समय पर कराना और प्रश्नपपत्रों की गोपनीयता बरकरार रखना होगी प्राथमिकता। मेघना चौधरी ने पत्रकारो से रू-ब-रू होते हुये कहा कि उन्होंने अभी पद भार ग्रहण किया है। अब मीटिंग कर स्थिति का पता किया जाएगा कि बोर्ड परीक्षा से संबंधित तैयारियों की वस्तु स्थिति क्या है। उन्होंने कहा कि पूर्व में बोर्ड सचिव और अध्यक्ष पद पर रहे अधिकारियों ने परीक्षा तैयारियों को कहा छोड़ा है उसमें आगे क्या करना है इस पर विचार विमर्श कर उपयुक्त निर्णय किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बोर्ड के प्रश्न पत्रों की गोपनीयता बरकरार रखने से संबंधित जो भी उचित होगा निर्णय किया जाएगा।

- **'परीक्षाएं समय पर कराना, प्रश्न पत्रों की गोपनीयता बनाए रखना होगी प्राथमिकता'**

मौजूदा समय में बोर्ड के सचिव का पद इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि तीन मार्च से वार्षिक परीक्षाएं शुरू होनी है। इन परीक्षा में प्रदेश के 20 लाख परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती बोर्ड में अनुशासन को कायम करने की होगी। यदि बोर्ड दफ्तर में अनुशासन हो जाए तो दूसरी चुनौतियों से मुकाबला किया जा सकता है।

पहली बार पशु चारा और अनाज के भाव बराबर

तूड़ी व बाजरे का भाव 16 सौ रुपए प्रति क्विंटल, 70 साल में चारा इतना महंगा

अलवर, (निसं)। अलवर में पशु आहार और अनाज के भाव एक जैसे हो गए हैं। 70 साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब पशु चारा का भाव आसमान छू रहे हैं। ऐसे में किसानों के सामने भी संकट खडा हो गया है। अलवर के बानसूर के गांव की 60 साल की बुजुर्ग महिला व पशुपालक रामा देवी ने कहा कि पशुओं का चारा इतना महंगा पहले कभी नहीं रहा। अब 16 सौ रुपए के आसपास बाजरे का भाव है और 15 सौ से 16 सौ रुपए प्रति क्विंटल ही तूडी के भाव हो गए हैं। इसके कारण पशुपालकों के सामने बड़ा संकट आ गया है।

- **किसानों का कहना है कि चारा सहित अन्य खाद्य सामग्री महंगी हो गई हैं लेकिन दूध का पहले जितना भाव है**

पशुपालकों का कहना है कि यह सही है कि तूडी का भाव बाजरे के भावों के बराबर है। इस कारण पशुओं को बाजरा बराबर दिया जाने लगा है। गांवों में हालत यह है कि तूडी मिल भी नहीं रही है। गेहूं व जौ की तूडी आसपास नहीं है, इस कारण हरियाणा व पंजाब से तूडी के बड़े डंपर मंगाकर यहां पशुपालकों को बेचा जाने लगा है। वहां से चावल की भूसी भी आने लगी है जो सस्ती तूडी कहलाती है। अब उसे भी पशुपालक काम लेने लगे हैं। कुछ लोग तो पंजाब व हरियाणा से तूडी लाकर यहां बेचने का धंधा करने लगे हैं।

इस समय पशु आहार भी महंगा है। चूरी का भाव 22 सौ रुपए प्रति क्विंटल है, खल 13 सौ रुपए, काकडा 42 सौ रुपए और बाजार 16 सौ रुपए के आसपास है। यह सब पहले से महंगा हुआ है। अब तूड़ी भी बाजरे के भावों के बराबर पहुंच गई है। पशुपालक का कहना है कि चारा सहित अन्य खाद्य सामग्री बहुत महंगी हो गई है। लेकिन दूध पहले जितना भाव है। गांवों में दूध औसतन 45 से 50 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। जबकि तूडी के भाव ज्यादा है। मौजूदा हालात में पशुपालक को बचत नहीं हो रही है। जितना पशु खा रहा है उतने में दूध नहीं बिक पा रहा है। सारे खर्च लगाने पर पशुपालक को घाटा होने लगा है। पशुपालक की यह चिंता बढी है। मौजूदा रबी की फसल आने के समय भाव कम हो जाते हैं। लेकिन इस बार यह गुंजाइश भी कम है। असल में पिछली बार सरसों के भाव ज्यादा रहने के कारण इस बार गेहूं व जौ की बुआई बहुत कम है। सरसों का रकबा बहुत ज्यादा है। गेहूं की पैदावार कम होगी तो आगे तूडी का उत्पादन भी कम होगा। इस कारण भाव ज्यादा रहने की संभावना है।

मार्बल एरिया में श्रमिक की मौत पर हंगामा

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। हरमाड़ा रोड़ स्थित हाईटेक मार्बल में श्रमिक की मौत हो जाने पर परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। गांव भोजियावास निवासी मदन मेघवाल उपरोक्त फैक्ट्री में कार्य करता था, कार्य के दौरान अकस्मात तबीयत खराब होने पर मार्बल सिटी हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया, किन्तु उपचार के दौरान इसने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना था कि फैक्ट्री में कार्य के दौरान मौत हुई है, इसलिए मुआवजा दिया जाये। विरोध प्रदर्शन के बीच पुलिस उपाधीक्षक मनीष शर्मा, गांधीनगर थाना इंचार्ज शंभू सिंह, तहसीलदार मोहन सिंह ने समझाईस कर मामले को शांत किया।

13 वर्षीय बालक के मिले कंकाल के मामले में विरोध जारी

अलवर, (निसं)। बानसूर के लोयती गांव में 13 साल के बालक का कंकाल मिलने के मामले में सोमवार को 10 गांवों की महापंचायत बुलाई। पुलिस प्रशासन को इसकी खबर लगी तो महापंचायत को रोकने के लिए कोरोना गाइडलाइन का सहरा लिया। रविवार रात को ही पुलिस ने माइक से अनाउंस कराया कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लोयती गांव के 13 साल का बालक 13 सितम्बर 2021 से गायब था। इसका 12 दिन पहले ही पहाड़ के ऊपर कंकाल मिला था। इसके बाद पुलिस जांच में लगी। बानसूर में गांव के लोग एकत्रित हुए, तब पुलिस ने 10 दिन में मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया। लेकिन पुलिस कोई खुलासा नहीं कर सकी। इतना जरूर पुलिस ने कहा कि ऐसा नहीं लगता है कि किसी ने हत्या करके बालक को पहाड पर फेंका है। डीएसपी ने कहा कि बालक की हत्या कर पहाड में फेंकने के कोई सुराग सामने नहीं आए हैं।

पुलिस की जांच से नाखुश होकर ऐलान किया कि 10 गांवों के लोग लोयती में पंचायत करेंगे। महनपुर, मांची, लाखा का नांगल, परसा का बास, लोयती, कोथल, कोठिया व परसा का बास सहित आसपास के गांव एकत्रित होना तय किया। इसके बाद पुलिस ने रात को ही माइक पर कहा कि भीड एकत्रित नहीं करें। वरना आगे कार्रवाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री शकुंतला रावत ने परिजनों व ग्रामीणों को 13 दिन पहले आश्वस्त किया था कि एक भी धारा कम नहीं लगेगी। इस मामले में किसी तरह की लापरवाही नहीं होगी। ऐसा होता है तो वह आपके बीच में नहीं आएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को फटकार था कि दोषी 302 का मुल्जिम होना चाहिए। मुझे और गांव वालों के बीच में आकर यह बताओ कि यह आरोपी था। डिप्टी मृत्युंजय मिश्रा ने कहा था कि जल्द खुलासा किया जाएगा।

राजस्थान में दो साल बाद 5वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी शुरू

14 लाख स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन फॉर्म जल्द शुरू होंगे

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान में पांचवीं का एग्जाम फिर बोर्ड पैटर्न पर ही होगा। इसके लिए शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय ने परीक्षा के लिए तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार से हरी झंडी मिलते ही ऑनलाइन फार्म भरने का प्रोसेस शुरू हो जाएगा। हालांकि पांचवीं बोर्ड के फाइनल एग्जाम की डेट्स अब तक तय नहीं है। माना जा रहा है कि अप्रैल में ये एग्जाम होंगे। वहीं, आठवीं बोर्ड के एग्जाम एक बार फिर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की परीक्षाओं के साथ हो सकते हैं। खास बात ये है कि इस बार पांचवीं बोर्ड एग्जाम देने वाले स्टूडेंट्स दूसरी के बाद सीधे बोर्ड पेटर्न पर एग्जाम देंगे।

पिछले साल राज्यभर में करीब 14 लाख स्टूडेंट्स पांचवीं बोर्ड में थे, इस बार भी कमोबेश इतने ही स्टूडेंट्स होने की उम्मीद की जा रही है। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय हर साल आठवीं और पांचवीं बोर्ड परीक्षा के फार्म साथ ही जारी करते हैं, लेकिन इस बार पांचवीं बोर्ड का फार्म अब तक जारी नहीं होने से उम्मीद की जा रही थी कि ये परीक्षा बोर्ड पेटर्न पर नहीं होगी। अब शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा इस बार भी बोर्ड पेटर्न पर होगी।

- **हालांकि पांचवीं बोर्ड के फाइनल एग्जाम की डेट्स अब तक तय नहीं है**
- **कोरोना के चलते पिछले दो साल से पांचवीं व आठवीं बोर्ड एग्जाम नहीं हो रहे थे**

कोरोना के चलते पिछले दो साल से पांचवीं व आठवीं बोर्ड एग्जाम नहीं हो रहे थे। सभी स्टूडेंट्स को बिना एग्जाम के पास किया गया। इस बार बिना एग्जाम पास नहीं किया जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने आठवीं बोर्ड के फार्म भरवाने शुरू कर दिए हैं, जबकि पांचवीं के ऑनलाइन फार्म भरने का कार्यक्रम एक दो दिन में जारी हो जाएगा। शिक्षा विभाग ने पांचवीं बोर्ड परीक्षा के लिए प्रस्ताव पिछले दिनों अतिरिक्त मुख्य सचिव पवन कुमार गोयल को भेज दिए थे। जहां से प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने का इंतजार हो रहा है। हालांकि ये तय हो गया है कि परीक्षा होनी है लेकिन कब और कैसे होगी? इसकी स्वीकृति सरकार के स्तर पर जारी होगी।

शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों का मानना है कि पांचवीं बोर्ड एग्जाम अप्रैल में हो सकते हैं। इसी आधार पर तैयारी की जा रही है। प्रदेश के सरकारी व प्राइवेट स्कूल्स में अन्य गैर बोर्ड एग्जाम भी इसी महीने में होंगे लेकिन पांचवीं बोर्ड अलग से होंगे।

उदयपुर जिले में 42 पॉजिटिव

उदयपुर, (कासं)। जिले में कोरोना धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। जिले में सोमवार को केवल 42 पॉजिटिव मिले है। वहीं कुल एक्टिव केस 2053 में से केवल 65 ही अस्पताल में भर्ती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 899 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 857 नेगेटिव व 42 पॉजिटिव मिले है।

- **अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या भी घटकर 65 हुई**

शहरी क्षेत्र में मिले 30 संक्रमितों में एक कोरोना वॉरियर्स, 11 क्लॉज कान्टेक्ट, 16 नए संक्रमित व 02 माइग्रेंट शामिल है।

ग्रामीण क्षेत्र में मिले 12 संक्रमितों में 02 कोरोना वॉरियर्स, 04 क्लॉज कान्टेक्ट व 06 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंकड़ा 72441 हो गया है। इनमें से 69615 रिकवर हो चुके हैं। जिले में एक्टिव केस की संख्या भी घटकर 2053 रह गई है इनमें से 1988 होम आइसोलेटेड व मात्र 65 अस्पताल में भर्ती हैं। जिले में 186 रिकवर भी हुए है।

बिना टिकट पार्सल लाकर रोडवेज बस परिचालक लगा रहे प्रबंधन को चूना

शाहपुरा में व्यापारी से पार्सल का वसूला बिना टिकट मनमाना किराया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शाहपुरा में रोडवेज बस परिचालक द्वारा अन्य शहरों से कस्बे के व्यापारियों के पार्सल लाने पर बिना टिकट मनमाना किराया वसूला जा रहा है। क्षेत्र के एक व्यापारी से बारां डिपो की बस के परिचालक ने देवली से शाहपुरा तक लाए पार्सल का मनमाना किराया वसूला और वह भी बिना टिकट। एक तरफ ये परिचालक व्यापारियों से मनमाना किराया वसूलते हैं तो दूसरी ओर बिना टिकट पार्सल लाकर रोडवेज प्रबंधन को भी चूना लगा रहे हैं।

बारां डिपो की देवली से शाहपुरा आई बस में व्यापारी रमेश पेसवानी ने ब्रेड के पार्सल मंगवाए थे यहां पहुंचने पर उसका 200 रूपये किराया लेने की बात परिचालक ने कही इस पर व्यापारी ने टिकट की मांग की तो परिचालक ने टिकट देने से इंकार कर दिया और बहस करने लग गया। अंत में परिचालक ने पूरा किराया नहीं देने पर पार्सल नहीं देने व व्यापारी को थाने ले जाने की भी धमकी दे डाली। बस के परिचालकों द्वारा क्षेत्र के व्यापारियों से प्रतिदिन मनमानी वसूली के इस प्रकार के मामले सामने आते रहते हैं लेकिन रोडवेज प्रबंधन इस ओर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा।

बस परिचालक व्यापारियों से प्रतिदिन पार्सल के लिए मनमानी वसूली करते हैं।